

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधन

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 104] नई विलासी, बृहस्पतिवार, भाष्ण 28, 1968/चंत्र 8, 1890

No. 104] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 28, 1968/CHAITRA 8, 1890

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th March 1968

Constitution of a Committee to prepare a list of Electrical equipments which are available indigenously or which would be available in the immediate future.

S.O. 1212.—The Government of India have decided to constitute a committee to compile a list of electrical equipment used for generation, transmission and distribution of electrical power which would be available for supply indigenously and where no imports would be necessary. Such a list is prepared to be included as an annexure to the Red Book for information and guidance of importers and would be brought upto date from time to time.

The need for such a list has arisen owing to the following reasons:—

(1) References are received frequently for import of items available indigenously on the ground that such items form part of a turnkey contract for a project and for which foreign exchange has already been made available and released.

(2) It is often claimed that part of the equipment is already imported and that indigenous equipment could not be matched with the imported parts on technical grounds and that foreign suppliers would also refuse to give guarantee of performance of the equipment as a whole unless all the materials are obtained from them. Even when an indigenous manufacturer is willing to guarantee his own products, the electricity authority concerned insists that the guarantee should be given for the equipment as a whole from one party only.

(3) The indigenous industry is normally not approached at the beginning for suppliers and are often confronted with the demand for short notice delivery.

When a list of such equipment is compiled and notified, imports of listed equipment will not be allowed and no negotiations either will be entered into for their imports by project authorities without prior concurrence in writing from the Directorate General of Technical Development, New Delhi. The composition of the committee will be as follows:—

Chairman

1. Shri V. P. S. menon Industrial Adviser, (Engg.) Directorate General of Technical Development, Udyog Bhavan, New Delhi.

Members

2. Shri D. D. Desai, Chairman, Development Council for Heavy Electrical Industries.

3. Shri R. L. Kirloskar, Chairman, from the Indian Electrical Manufacturers Association, Bombay.

4. Shri R. P. Nayar, Chairman, State Electricity Board, Government of Kerala, Trivandrum.

5. Shri Fazlul Haque, Commercial Manager, Heavy Electrical (India) Ltd., Bhopal.

6. Shri S. C. Banerjee, (O.S.D.) Directorate General of Technical Development, Udyog Bhavan, New Delhi.

7. Chief (Engineering), Planning Commission, Yojna Bhavan, New Delhi.

8. Shri T. V. Thadani, Dy. Director (Power Wing), C.W.P.C., New Delhi.

Member Secretary

9. Dr. V Ahmed, Development Officer (Electrical), Directorate General of Technical Development, Udyog Bhavan, New Delhi.

The Committee will meet as often as necessary and at such places as may be decided and will submit its report to the Government of India by 30th September, 1968.

[No. EEI-19(26)67.]

K. N. SHENOY, Dy. Secy.

प्रौद्योगिक विकास संथा समवाय-कार्य मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1968

**देश में उपलब्ध अधिका तत्काल भविष्य में उपलब्ध होने वाले विद्युत उपकरणों की
एक सूची तैयार करने के लिए समिति का गठन।**

सं० 1213.—भारत सरकार ने देश में संभरण के लिए उपलब्ध विद्युत शक्ति संबंधी उन उपकरणों की एक सूची का संकलन करने हेतु एक समिति का गठन करने का निश्चय किया है जो विद्युत शक्ति उत्पन्न करने, पारेषण और विनरण के प्रयोग में आते हैं और जिनके आयात की आवश्यकता नहीं होगी। इस प्रकार की सूची आयातकों की जानकारी और मार्गदर्शन के लिए 'रेड बुक' के अनुवन्ध के सूप में सम्मिलित करने का विचार है और जिसमें सभ्य-सभ्य पर नवीनतम सूचना दी जाया करेगी।

इस प्रकार की सूची की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से उत्पन्न हुई है :—

- (1) कई बार ऐसी वस्तुओं का आयात करने के लिये पत्र प्राप्त होते रहते हैं जो देश में ही उपलब्ध हैं। इस का कारण यह बताया जाता है कि ये वस्तुएं परियोजना के 'टर्न की' करार का एक अंग है जिनके लिए विदेशी मुद्रा पहले ही उपलब्ध करवा कर जारी की जा चुकी है।
- (2) बहुधा यह दावा किया जाता है कि उपकरणों का आयात पहले ही किया जा चुका है और तकनीकी दृष्टि से देश में बने उपकरण आयातित उपकरणों के समकक्ष नहीं हो सकते तथा विदेशी सम्भरणकर्ता सम्पूर्ण रूप से उपकरणों के बारे में गारंटी देने से इन्कार कर देंगे जब तक कि सारा माल उन्हीं से न लिया जाय। यदि कोई देशी निर्माता अपने माल की गारंटी देने के लिए तैयार भी हो जाय तो संबंधित विद्युत अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि उपकरण के लिये सम्पूर्ण रूप से केवल एक ही पार्टी द्वारा गारंटी दी जानी चाहिये।
- (3) देश में स्थित उद्योग से सामान्यतः सम्भरण के लिए प्रारम्भ में नहीं कहा जाता अपितु बहुधा उसे थोड़े समय में ही माल की मांग पूरी करनी पड़ती है।

इस प्रकार के उपकरणों की सूची का संकलन करके और उसे श्रियसूचित करने के पश्चात् उसमें शामिल उपकरणों के आयात की अनुमति नहीं दी जायगी और न उनके आयात के बारे में तकनीकी विकास का महानिदेशालय, नई दिल्ली से लिखित पूर्व-सहमति प्राप्त किये विना योजना अधिकारियों द्वारा कोई पत्र-व्यवहार ही किया जायगा। इस समिति की रचना निम्न प्रकार होगी :—

अध्यक्ष

1. श्री वी० पी० एस० मेनन, औद्योगिक सलाहकार (इंजीनियरी), तकनीकी विकास का महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली।

सदस्य

2. श्री डी० डी० देसाई, अध्यक्ष, भारी विद्युत उद्योग की विकास परिषद्।
3. श्री आर० एल० किरास्कर, अध्यक्ष, भारतीय बैचुन निर्माता बंध, बम्बई।
4. श्री आर० पी० नायर, अध्यक्ष, राज्य विद्युत बोर्ड, केरल सरकार, तिरुवनंतपुरम्।
5. श्री फजलुल हक, वाणिज्यक प्रबन्धक, हैवी इलेक्ट्रिकल्स, (इंडिया) लि०, भोपाल।
6. श्री आर० एस० सी० बनर्जी, (विशेष कार्य-अधिकारी) तकनीकी विकास का महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली।
7. मुख्य (इंजीनियरी), योजना आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली।
8. श्री टी० वी० थडानी, उप-निदेशक (पावर विंग), केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग, नई दिल्ली।

सदस्य-सचिव

9. डा० वी० अहमद, विकास अधिकारी (विद्युत), तकनीकी विकास का महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली।

समिति की बैठक जितनी बार प्रावश्यकता समझी जाय हुआ करेगी तथा ऐसे स्थानों पर भूलाई जायगी जहाँ के लिए निश्चय किया जायगा और वह 30 सितम्बर, 1968 तक भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी।

[सं०६०६०६०आई०-१९(२६)/८७.]

के० एन० शिनाय, उप-सचिव।